www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

Series : WXYZ/S **SET ~ 1**

प्रश्न-पत्र कोड 2/S/1

रोल नं.

परीक्षार्थी प्रश्न-पत्र कोड को उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर अवश्य लिखें।

नोट :

(I) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में मुद्रित पृष्ठ **11** हैं।

(II) प्रश्न-पत्र में दाहिने हाथ की ओर दिए गए प्रश्न-पत्र कोड को परीक्षार्थी उत्तर-पुस्तिका के मुख-पृष्ठ पर लिखें।

(III) कृपया जाँच कर लें कि इस प्रश्न-पत्र में **12** प्रश्न हैं।

(IV) **कृपया प्रश्न का उत्तर लिखना शुरू करने से पहले, उत्तर-पुस्तिका में यथा स्थान पर प्रश्न का क्रमांक अवश्य लिखें।**

(V) इस प्रश्न-पत्र को पढ़ने के लिए 15 मिनट का समय दिया गया है। प्रश्न-पत्र का वितरण पूर्वाह्न में 10.15 बजे किया जाएगा। 10.15 बजे से 10.30 बजे तक परीक्षार्थी केवल प्रश्न-पत्र को पढ़ेंगे और इस अवधि के दौरान वे उत्तर-पुस्तिका पर कोई उत्तर नहीं लिखेंगे।

#

हिन्दी (आधार)
HINDI (Core)

*निर्धारित समय : **3** घण्टे* *अधिकतम अंक : **80***

सामान्य निर्देश :

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका सख़्ती से अनुपालन कीजिए :

*(i) यह प्रश्न-पत्र **तीन** खण्डों में विभाजित है।*

*(ii) **खण्ड क** में अपठित बोध पर आधारित प्रश्न पूछे गए हैं। **सभी** प्रश्नों के उत्तर देना **अनिवार्य** है।*

*(iii) **खण्ड ख** में पाठ्यपुस्तक अभिव्यक्ति और माध्यम से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

*(iv) **खण्ड ग** में पाठ्यपुस्तक आरोह तथा वितान से प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।*

(v) तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(vi) यथासंभव तीनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

www.prepp.in

खण्ड क
(अपठित बोध)

1. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *8*

मेरा माँझी मुझसे कहता रहता था
बिना बात तुम नहीं किसी से टकराना।
पर जो बार-बार बाधा बन कर आएँ,
उनके सिर को वहीं कुचल कर बढ़ जाना।
जानबूझकर मेरे पथ में आती हैं,
भवसागर की चलती-फिरती चट्टानें।
मैं इनसे जितना ही बचकर चलता हूँ,
उतना ही मिलती हैं, ये ग्रीवा ताने।
रख अपनी पतवार, कुदाली लेकर
तब मैं इनका उन्नत भाल झुकाता हूँ।
राह बनाकर नाव बढ़ाए जाता हूँ।
जीवन की नैया का चतुर खिवैया मैं
भवसागर में नाव बढ़ाए जाता हूँ।

अगणित नौकाएँ तोड़ी चट्टानों ने,
तूफानों ने नाविक कई बहाए हैं।
सागर में रहने वाले घड़ियालों ने,
जाने कितने बेबस राही खाए हैं।
मेरे प्रिय, पतवार चलाना सीखो तुम।
जीवन की रक्षा हित बहुत जरूरी है,
खूनी लहरों से टकराना सीखो तुम।
वैसे तो मैं हरदम साथ रहूँगा ही
फिर भी जीने का रहस्य बतलाता हूँ।
तूफानों में नाव बढ़ाए जाता हूँ।

www.prepp.in

Prepp Your Personal Exams Guide

(i) 'मेरा माँझी मुझसे कहता' पंक्ति के संदर्भ में लिखिए कवि का माँझी कौन है ? *1*

(A) गुरु (B) अंतर्मन

(C) ईश्वर (D) नियति

(ii) कुदाली लेकर कवि किसका उन्नत भाल झुकाता है ? *1*

(A) सांसारिक विपत्तियों का

(B) सागर की लहरों का

(C) सामाजिक परंपराओं का

(D) लोगों की सोच का

(iii) कॉलम-I को कॉलम-II से सुमेलित कीजिए और सही विकल्प का चयन कीजिए : *1*

कॉलम-I	*कॉलम-II*
1. कुदाल	(i) विनाशकारी स्थितियाँ
2. घड़ियाल	(ii) विध्वंसकारी साधन
3. खूनी लहरें	(iii) शोषक वर्ग

विकल्प :

(A) 1-(iii), 2-(ii), 3-(i)

(B) 1-(i), 2-(ii), 3-(iii)

(C) 1-(ii), 2-(iii), 3-(i)

(D) 1-(iii), 2-(i), 3-(ii)

(iv) कवि ने स्वयं को 'जीवन का चतुर खिवैया' क्यों कहा है ? *1*

(v) जीवन की रक्षा हित के लिए क्या जरूरी है और क्यों ? *2*

(vi) संसार रूपी सागर से पार उतरने का रहस्य काव्यांश के आधार पर क्या है ? *2*

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

2. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए : *10*

सावन माह में झूला झूलने की प्राचीन परंपरा रही है। लेकिन झूला झूलना सिर्फ एक खेल अथवा प्रथा नहीं है बल्कि स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से भी बहुत लाभप्रद है जब हम झूला झूलते हैं तो मानसिक तनाव कम होने लगता है और मन को शांति मिलती है इसकी धीमी गति दिमाग को शांत करती है और तनाव को घटाकर आनंद प्रदान करती है।

झूला झूलने से एंडोर्फिन और सेराटोनिन जैसे खुशहाली के हॉर्मोंस निकलते हैं जिससे मन:स्थिति में सुधार होता है और व्यक्ति प्रसन्नता की अनुभूति करता है। आपने ध्यान दिया होगा कि झूले पर पैग लेने की एक निश्चित गति होती है। झूलने की लयबद्ध गति ध्यान केंद्रित करने में मदद कर सकती है। यह उन बच्चों के लिए विशेष रूप से लाभप्रद हो सकता है जो ध्यान केंद्रित करने में कठिनाई अनुभव करते हैं। यह वयस्कों के लिए भी ध्यान का माध्यम बन सकता है। झूला झूलने से व्यक्ति भावनात्मक रूप से स्वयं को संतुलित महसूस करता है। क्योंकि यह व्यक्ति को एक सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण प्रदान करता है। यह व्यक्ति के मानसिक, शारीरिक और भावनात्मक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। झूला झूलना व्यक्ति की चिन्ता से दूर होने और वर्तमान में रहने में मदद करता है। शारीरिक गतिविधि के रूप में झूला झूलना एक हल्का व्यायाम भी हो सकता है। जिससे शारीरिक स्वास्थ्य में भी सुधार होता है। यह महिलाओं की शारीरिक योग्यता में सुधार ला सकता है। यह मांसपेशियों की रंगत और संतुलन में सुधार कर सकता है। वरिष्ठ नागरिकों के लिए झूला झूलना एक सुखद और आरामदायक गतिविधि हो सकती है। यह उनके संतुलन और समन्वय को बनाए रखने में मदद करता है। झूला झूलते हुए बच्चे समूह बना लेते हैं। और बारी-बारी से झूला झूलते हैं; साथ ही एक-दूसरे का ध्यान भी रखते हैं कि किसी को चोट ना लगे। और यदि कोई ऊँची पैग लेने से डर रहा है तो उसका डर दूर करने का प्रयास करते हैं या उसे ज्यादा ऊँचाई तक नहीं जाने देते। झूला झूलने से बच्चों में सामाजिक कौशल विकसित होता है। वह अन्य बच्चों के साथ खेलते, बातचीत करते और सामाजिकता के गुण सीखते हैं। झूला झूलना न केवल शारीरिक बल्कि मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य के लिए भी लाभकारी हो सकता है। इसलिए यह न सोचें की उम्र क्या है और व्यवस्था कितनी है, चुरा ले जिंदगी के कुछ पल खुद के लिए और आनंद लें झूला झूलने का, ठंडी हवाओं का, रिमझिम फुहारों का।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(i) झूला झूलने से बच्चों में कौन-से कौशल का विकास होता है ? *1*

(A) सामाजिक कौशल

(B) शारीरिक कौशल

(C) भावनात्मक कौशल

(D) रचनात्मक कौशल

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए : *1*

कथन : झूला झूलना बच्चों और वयस्कों के लिए 'ध्यान' का माध्यम बन सकता है।

कारण : झूलने की निश्चित और लयबद्ध गति ध्यान केंद्रित करने में मदद करती है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(C) कथन तथा कारण दोनों सही हैं, तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(D) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(iii) झूला झूलने से व्यक्ति भावनात्मक रूप से स्वयं को संतुलित महसूस क्यों करता है ? *1*

(A) शारीरिक योग्यता में सुधार लाने के कारण

(B) आसपास के खुशनुमा वातावरण में रहने के कारण

(C) खुशहाली के हॉर्मोंस निकलने के कारण

(D) सुरक्षित और नियंत्रित वातावरण प्राप्त होने के कारण

(iv) झूला झूलना वयस्कों के लिए किस प्रकार उपयोगी है ? *1*

(v) स्वास्थ्य की दृष्टि से झूला झूलने से क्या लाभ हैं ? *2*

(vi) 'झूला झूलना बच्चों में खेल के साथ अनेक गुणों का विकास करता है।' सिद्ध कीजिए। *2*

(vii) शारीरिक तथा मानसिक दृष्टि से झूले का हमारे जीवन में क्या महत्त्व है ? *2*

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

खण्ड ख

(अभिव्यक्ति और माध्यम पुस्तक पर आधारित प्रश्न)

3. निम्नलिखित दिए गए विषयों में से किसी ***एक*** विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए : *6*

(i) जेठ की तपती दोपहरी

(ii) भारत की वैज्ञानिक उपलब्धियाँ

(iii) विद्यालय के वार्षिकोत्सव में मेरी भूमिका

4. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *4×2=8*

(i) श्रोताओं या पाठकों को बाँधकर रखने की दृष्टि से प्रिंट माध्यम, रेडियो और टी.वी. में सबसे सशक्त माध्यम कौन-सा है ? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ii) नए और अप्रत्याशित विषयों के लेखन में, 'मैं' की आवाजाही बेरोकटोक चल सकती है, क्यों, कारण स्पष्ट कीजिए।

(iii) रेडियो नाटक में पात्र विशेष की हरकत, एक्शन को किस प्रकार प्रस्तुत किया जाएगा ? उदाहरण सहित लिखिए।

(iv) विशेष रिपोर्ट किसे कहते हैं ? यह कैसे तैयार की जाती है ?

(v) समाचार लेखन में ककार का क्या महत्त्व है ? ये कितने प्रकार के होते हैं ? स्पष्ट रूप में लिखिए।

5. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं ***दो*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए : *2×4=8*

(i) इंटरनेट पत्रकारिता सूचनाओं को तुरन्त उपलब्ध कराता है, परन्तु इसके कुछ दुष्परिणाम भी हैं, उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

(ii) मुद्रित माध्यमों में समाचार लेखन की शैली स्पष्ट कीजिए।

(iii) कहानी का नाट्य रूपांतरण करते समय कौन-सी चुनौतियों का सामना करना पड़ता है ? लिखिए।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

खण्ड ग

(पाठ्य-पुस्तक आरोह तथा वितान पर आधारित प्रश्न)

6. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

बात सीधी थी पर एक बार
भाषा के चक्कर में
ज़रा टेढ़ी फँस गई।

उसे पाने की कोशिश में
भाषा को उलटा-पलटा
तोड़ा-मरोड़ा
घुमाया-फिराया
कि बात या तो बने
या फिर भाषा से बाहर आए
लेकिन इससे भाषा के साथ-साथ
बात और भी पेचीदा होती चली गई।

सारी मुश्किल को धैर्य से समझे बिना
मैं पेंच को खोलने के बजाए
उसे बेतरह कसता चला जा रहा था
क्योंकि इस करतब पर मुझे
साफ़ सुनाई दे रही थी
तमाशबीनों की शाबाशी और वाह वाह।

(i) बात का भाषा के चक्कर में टेढ़ी फँसना से क्या अभिप्राय है ?

(A) प्रभावपूर्ण भाषा के चक्कर में बात का प्रभावहीन हो जाना

(B) कथ्य को प्रकट करने के लिए उपयुक्त शब्द न मिलना

(C) बात को भाषा के जाल से बाहर निकालना

(D) कवि द्वारा बात को ठीक ढंग से व्यक्त न कर पाना

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(ii) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : कथ्य के अनुरूप भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए।

कारण : भाषा की दुरूहता से अभिव्यक्ति अस्पष्ट हो जाती है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।

(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।

(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।

(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(iii) 'बात का पेंच खोलने' से क्या अभिप्राय है ?

(A) बात को स्पष्ट करना

(B) नए शब्दों का प्रयोग करना

(C) बात को प्रभावशाली बनाना

(D) बात की रचना-प्रक्रिया समझाना

(iv) बात के संदर्भ में 'उलटा-पलटा, तोड़ा-मरोड़ा, घुमाया-फिराया' आदि शब्द-युग्मों के द्वारा :

(A) कवि के प्रयासों को स्पष्ट किया गया है।

(B) भाषा की जटिलता पर व्यंग्य किया गया है।

(C) कवि के भाषा ज्ञान को दर्शाया गया है।

(D) कवि कर्म की जटिलता को दर्शाया गया है।

(v) कवि बात को बेतरह कसता क्यों जा रहा था ?

(A) बात को अलंकृत करने के लिए

(B) बात को अर्थपूर्ण बनाने के लिए

(C) लोगों की वाह-वाही बटोरने के लिए

(D) अपनी विद्वता दिखाने के लिए

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

7. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) 'आत्मपरिचय' कविता के कवि का इस संसार के प्रति क्या दृष्टिकोण है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'कविता के बहाने' कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

(iii) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता मीडियाकर्मियों की संवेदनहीनता का जीता-जागता उदाहरण है। तर्क के आधार पर अपने मत की पुष्टि कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) बादलों के आगमन से प्रकृति में होने वाले किन-किन परिवर्तनों का 'बादल राग' कविता में उल्लेख किया गया है ? स्पष्ट कीजिए।

(ii) 'लक्ष्मण-मूच्छा और राम का विलाप' प्रसंग ईश्वरीय राम का पूरी तरह से मानवीकरण है। सिद्ध कीजिए।

(iii) 'छोटा मेरा खेत' कविता के रूपक को स्पष्ट कीजिए।

9. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए : *5×1=5*

शिरीष के साथ आरग्वध की तुलना नहीं की जा सकती। वह पंद्रह-बीस दिन के लिए फूलता है, वसंत ऋतु के पलाश की भाँति। कबीरदास को इस तरह पंद्रह दिन के लिए लहक उठना पसंद नहीं था। यह भी क्या कि दस दिन फूले और फिर खंखड़ – के – खंखड़ – 'दिन दस फूला फूलिके खंखड़ भया पलास !' ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले। फूल है शिरीष। वसंत के आगमन के साथ लहक उठता है, आषाढ़ तक जो निश्चित रूप से मस्त बना रहता है। मन रम गया तो भरे भादों में भी निर्घात फूलता रहता है। जब उमस से प्राण उबलता रहता है और लू से हृदय सूखता रहता है, एकमात्र शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता रहता है। यद्यपि कवियों की भाँति हर फूल-पत्ते को देखकर मुग्ध होने लायक हृदय विधाता ने नहीं दिया है, पर नितांत ठूँठ भी नहीं हूँ। शिरीष के पुष्प मेरे मानस में थोड़ा हिल्लोल ज़रूर पैदा करते हैं।

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

(i) कबीरदास को पलाश के फूल क्यों पसंद नहीं थे ?

(A) संघर्ष शक्ति कम होने के कारण
(B) जीवन शक्ति कम होने के कारण
(C) महक न होने के कारण
(D) केवल वसंत में खिलने के कारण

(ii) 'ऐसे दुमदारों से तो लँडूरे भले' लोकोक्ति का प्रयोग गद्यांश में किस संदर्भ में किया गया है ?

(A) शिरीष की तुलना में आरग्वध-पलाश को हीन बताने के लिए
(B) आरग्वध-पलाश की तुलना में शिरीष को हीन बताने के लिए
(C) छोटी पूँछ वालों को लंबी पूँछ वालों से हीन बताने के लिए
(D) बिना पूँछ वालों को पूँछ वालों से श्रेष्ठ बताने के लिए

(iii) गद्यांश में 'ठूँठ' शब्द का अर्थ है :

(A) पत्रहीन
(B) रसहीन
(C) भावहीन
(D) पुष्पहीन

(iv) निम्नलिखित कथन तथा कारण को ध्यानपूर्वक पढ़कर उचित विकल्प का चयन कर लिखिए :

कथन : शिरीष कालजयी अवधूत की भाँति जीवन की अजेयता का मंत्र प्रचार करता है।

कारण : विपरीत परिस्थितियों में भी, संघर्षों से लड़ अविचल बने रहने की जिजीविषा है।

विकल्प :

(A) कथन तथा कारण दोनों ग़लत हैं।
(B) कारण सही है, लेकिन कथन ग़लत है।
(C) कथन सही है, लेकिन कारण, कथन की सही व्याख्या ***नहीं*** करता है।
(D) कथन तथा कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की सही व्याख्या करता है।

(v) 'शिरीष का पुष्प लेखक के मानस में हिल्लोल क्यों पैदा करता है ?' इस प्रश्न के उत्तर के लिए सही विकल्प का चयन कर लिखिए :

I. लेखक कवियों की भाँति भावुक और कोमल था।
II. शिरीष के बाह्य रूप पर आकर्षित हो गया था।
III. शिरीष की कठिन जिजीविषा से प्रभावित हो गया था।
IV. गर्मी और उमस से भरे वातावरण में भी शिरीष फूलों से लदा था।

विकल्प :

(A) केवल IV
(B) I और II दोनों
(C) II और III दोनों
(D) III और IV दोनों

www.prepp.in

Prepp
Your Personal Exams Guide

10. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए : *2×3=6*

(i) नाम के विरोधाभास से क्या अभिप्राय है ? उदाहरण सहित लिखिए। भक्तिन का उसके नाम से क्या विरोधाभास था ? इस विरोधाभास से बचने के लिए भक्तिन ने क्या उपाय खोजा था ? पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर भगत जी बाज़ार से अपनी आवश्यकता भर का सामान खरीदकर वापस आ जाते हैं। बाज़ार से खरीददारी करते आप स्वयं को किस श्रेणी का पाते हैं ?

(iii) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के संदर्भ में तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए कि जो पारंपरिक विश्वास समाज के लिए हानिकारक नहीं है पर विज्ञानसम्मत भी नहीं है, क्या हमें उनका पालन करना चाहिए ?

11. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए : *2×2=4*

(i) शिरीष आज के संदर्भ में हमें क्या संदेश देता है ? पाठ के आधार पर लिखिए।

(ii) डॉ. आंबेडकर के अनुसार, किसी भी सभ्य समाज के लिए समता क्यों अनिवार्य है ?

(iii) 'पहलवान की ढोलक' कहानी के आधार पर ग्रामीणों की ग़रीबी और असहायता पर टिप्पणी कीजिए।

12. निम्नलिखित प्रश्नों को ध्यानपूर्वक पढ़कर किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में लिखिए : *2×5=10*

(i) यशोधर बाबू की पत्नी का समय के साथ परिवर्तित होना आपकी दृष्टि में कहाँ तक उचित है ? तर्कपूर्ण उत्तर दीजिए।

(ii) पुरातात्त्विक अवशेषों के आधार पर सिद्ध कीजिए कि सिंधु-सभ्यता में भव्यता का आडम्बर नहीं था।

(iii) मास्टर सौंदलगेकर जी की 'जूझ' कहानी के लेखक आनंद के जीवन में क्या भूमिका थी ?